एक करोड़ के स्कूल भवन में 8 साल से ताला

बेगमगंज तहसील के चांदबड़ का मामला, पुराने जर्जर भवन में पढ़ रहे 170 बच्चे

नवभारत न्यूज
बेगमगंज/रायसेन, 19 जुलाई. बेगमगंज तहसील के चांदबड़ में एक करोड़ की लागत से बने नवीन स्कूल भवन में 8 साल से ताला लगा हुआ. इसके चलते 170 विद्यार्थियों को जर्जर हो चुके पुराने भवन में ही पढ़ने को मजबूर होना पड़ रहा है.

सरकारी दावे चाहे जितने भी किए जाएं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है. चांदबड़ गांव में शिक्षा का हाल सुनकर आप भी चौंक जाएंगे. एक एकड़ भूमि दान में पूर्व जनपद अध्यक्ष साहब सिंह द्वारा अपने स्वर्गीय पुत्र की स्मृति में दी गई थी. एक एकड़ भूमि पर बना एक करोड़ रुपये की लागत वाला हाई स्कूल भवन बीते 8 साल से छात्रों के प्रवेश का इंतजार कर रहा है. साल 2016-17 में बना यह शानदार स्कूल भवन अब तक ताले में बंद है. दिलचस्प बात ये है कि खुद तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस स्कूल का उद्घाटन किया था, लेकिन उद्घाटन के 8 साल बाद भी कक्षाएं शुरू नहीं हो सकीं. बच्चे आज भी उसी पुराने, जर्जर और खस्ताहाल भवन में बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं. जहां पर ना सही सुविधा है, ना सुरक्षित माहौल. बताया जा रहा है कि मिडिल और हाई स्कूल को एकीकृत शाला माना गया है, जिसके चलते दोनों का एक ही डाइस कोड है. जबकि नियमानुसार हाई स्कूल के लिए अलग डाइस कोड होना जरूरी है.

पूर्व जनपद अध्यक्ष साहब सिंह पटेल का कहना है कि सरकार ने करोड़ों खर्च किए, भवन तैयार भी हो गया, लेकिन अफसरशाही की सुस्ती और सिस्टम की गलती ने बच्चों को 8 साल पीछे धकेल दिया. अब सवाल ये है कि बच्चों को उनका हक कब मिलेगा?

ब्लॉक शिक्षाधिकारी राजेन्द्र श्रीवास्तव का कहना है कि अलग -अलग डाइस कोड नहीं होने की वजह से अभी तक अटका हुआ है, लेकिन प्राचार्य को निर्देश दिए गए हैं, नवीन भवन में पर्याप्त कक्ष होने से सोमवार से नवीन भवन में कक्षाएं लगाएं.

बाइक टकराने पर मारपीट, एक घायल

सलामतपुर, 19 जुलाई. भोपाल-विदिशा के ग्राम बालमपुर के पास दो मोटर साइकिलें आपस में टकरा जाने की मामूली बात पर मारपीट हो गई, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया. जानकारी के अनुसार अजय लोधी व बसंत लोधी भोपाल से काम कर मोटरसाइकिल से लौट रहे थे, तभी उनकी बाइक बंटी मेहर की बाइक से टकरा गई. विवाद के बाद आरोपी बंटी मेहर ने अपने साथियों राजीव मीना, संदीप मीना और शैतान सिंह मीना को बुला लिया. आरोपियों ने दोनों युवकों का पीछा करते हुए हाइवे के नाना ढाबा के सामने उन्हें रोका और मारपीट की. बसंत लोधी किसी तरह जान बचाने में सफल रहा, लेकिन अजय लोधी घायल हो गया.

40 किलोमीटर पद यात्रा करेंगे कांवड़ यात्री

नवभारत न्यूज
सिलवानी, 19 जुलाई. सावन माह शिव की पूजा अर्चना किए जाने को लेकर श्रद्धालु उत्साहित हैं. भगवान शिव का जलाभिषेक किए जाने को लेकर शिवभक्त 40 किलो मीटर की पदयात्रा कर कांवड़ में पवित्र नर्मदा नदी का जल भर कर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करेंगे.

कार्यक्रम तहसील के चंद्रपुरा ग्राम में सावन माह के द्वितीय सोमवार को आयोजित किया जाएगा. युवा समाजसेवी, धार्मिक कार्यो में अग्रणी रहने वाले चंद्रपुरा ग्राम निवासी जयदीप पटेल के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत अनेकों कांवड़ यात्री बौरास स्थित पुण्य सलिला मॉ नर्मदा की पूजा अर्चना के बाद कांवड़ में नर्मदा जल भर कर करीब 40 किलोमीटर का सफर पैदल तय कर चंद्रपुरा ग्राम पहुंच कर पूजा अर्चना के बाद शिव का जलाभिषेक करेंगे. कांवड़ यात्री डीजे पर बजने वाले भक्ति गीतों पर नाचते गाते 40 किलोमीटर की कांवड़ यात्रा को पूर्ण करेंगे. श्री हरिहर महादेव व मॉ नर्मदा कांवड़ यात्रा समिति के बैनर तले आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम के तहत ग्राम में द्वितीय सावन सोमवार को सुबह 8 बजे भगवान महादेव का जलाभिषेक और अमरनाथ स्वरूप का रुद्राभिषेक किया जाएगा. पार्थिव शिवलिंग निर्माण में महिलाएं और श्रद्धालु हिस्सा लेंगे.

▶ चंद्रपुरा में नर्मदा जल से करेंगे भगवान भोलेनाथ का अभिषेक

शिवालयों में शिव की महिमा का वर्णन

सावन माह में भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना सहित अन्य अनुष्ठान श्रद्धालुओं के द्वारा किए जा रहे हैं. शिवालयों में भगवान शिव की महिमा का वर्णन किया जा रहा है. महिला श्रद्धालुओं के द्वारा भजन कीर्तन आयोजित किए जा रहे हैं, शिव मंदिर में सुबह, दोपहर व शाम के समय जयकारे गूंज रहे है.

जैसा खाते हैं अन्न वैसा ही होता है मन : मुनिश्री

मुनि साक्ष्य सागर महाराज के प्रवचन

नवभारत न्यूज
सिलवानी, 19 जुलाई. जीव के भाव हमेशा ही विशुद्धि से पूर्ण होना चाहिए, विशुद्धि युक्त भावों में सात्विक जीवन का सार निहित होता है. देव वैक्रियक शरीर के धारी होते है वह रोगो से रहित होते हैं. व्यक्ति सूक्ष्म से सूक्ष्म नियम लेकर भी अपनी गति को सुधार सकता है.

यह उद्गार रामकथा वाचक मुनि साक्ष्य सागर महाराज ने व्यक्त किए. पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य मुनि साक्ष्य सागर महाराज व मुनि निवृत्तसागर महाराज के द्वारा नगर के पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में चातुर्मास किया जा रहा है. उन्होंने बताया कि कभी भी संसार चक्र में नहीं उलझना चाहिए, भाव हमेशा ऐसा रखो कि कभी जीवन में किसी क्रिया से उलझना ना पड़े. व्यक्ति जैसे अन्न का सेवन जीव करता है, उसका मन वैसा ही होता जाता है. परिणति जैसी होगी परिणाम भी वैसे ही प्राप्त होंगे. मुनिश्री ने बताया कि परिणाम ही व्यक्ति के बंध व मुक्त होने का कारण बनते हैं. जीव अपने कर्म का कर्ता स्वयं ही होता हे जैस कर्म करता है परिणाम भी वैसे ही प्राप्त होते है. परिणाम ही व्यक्ति को संसार में भ्रमण कराते हैं.

गुरु ध्यान में लीन रहते हैं

उन्होने बताया कि गुरु ज्ञान से पूर्ण रहते है. वह ध्यान में लीन होते है, विषय वासना, राग, द्वेष, छल-कपट से दूर होते हैं, वही वास्तव में सच्चे गुरु कहलाते हैं. मुनिश्री ने बताया कि चातुर्मास कलश जिन धर्म की स्थापना का प्रतीक होता है. जो जीव अपनी इंद्रियो को जीत कर संयम पूर्वक जीते हैं. वही जीव स्वर्ग के रास्ते की तरफ पग बढ़ाते हैं. मन को नियंत्रित कर थोड़ा सा संयम प्राप्त कर लो, नरक गति से बच जाओगे. चातुर्मास कर रहे मुनि निवृत्त सागर महाराज ने बताया कि भगवान जिनेंद्र के द्वारा कही गई वाणी ही जिनवाणी कहलाती है. जिनवाणी में संसार के सभी जीवो के कल्याण की भावना निहित होती हैं. भगवान जिनेंद्र की वाणी में कभी भी संतवाद,पंथवाद नही होता है. उन्होंने बताया कि जो परम पद में स्थित होते है वही परमेष्ठी कहलाते है. परमेष्ठी सर्वज्ञ हितोपदेशी रहते हैं.

स्कूली बच्चों को बताया गया सीपीआर देने का तरीका

भोपाल, 19 जुलाई. एम्स भोपाल ने बाल रोग, ट्रॉमा और आपातकालीन चिकित्सा विभाग द्वारा इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) सीपीआर जागरुकता माह के तहत छात्रों को जीवनरक्षक प्रशिक्षण प्रदान किया.

14 जुलाई से 28 जुलाई तक मनाए जा रहे आईएपी सीपीआर जागरुकता माह के तहत सिल्वर बेल्स कॉन्वेंट स्कूल, बागमुगलिया में कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए सीपीआर (हृदय-फेफड़ा पुनर्जीवन) पर व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया. इस प्रशिक्षण सत्र का मुख्य उद्देश्य छात्रों को यह समझाना था कि अचानक हृदय गति रुकने (कार्डियक अरेस्ट) की स्थिति में समय पर सीपीआर देना किस प्रकार जीवन बचा सकता है. आंकड़ों के अनुसार, 70 प्रतिशत से अधिक हृदयाघात घरों या सार्वजनिक स्थलों पर होते हैं, जहाँ तक चिकित्सा सहायता समय से नहीं पहुँच पाती.

▶ एम्स भोपाल में छात्र-छात्राओं को दिया जीवन रक्षक प्रशिक्षण

मूंग से वेयर हाउस फुल, बुक नहीं हो रहे स्लॉट

जगह की कमी : किसान यूनियन ने ज्ञापन देकर मूंग के लिए जगह उपलब्ध कराने की मांग की

नवभारत न्यूज
देवरी (रायसेन), 19 जुलाई. समर्थन मूल्य पर मूंग की तुलाई 7 जुलाई से शुरू हुई, जो 8 अगस्त तक चलेगी और इसका पंजीयन 30 जुलाई तक होना है. लेकिन हाल यह है की मात्रा 10 दिन में ही नगर देवरी के दोनों वेयरहाउस फुल हो गए हैं और किसानों की लंबी-लंबी लाइने वेयरहाउस पर देखी जा रही है. हालांकि एक और आस्तिक वेयरहाउस भी बुक कर दिया गया है.

नगर देवरी क्षेत्र में अभी तक 2500 किसानों का पंजीयन हुआ है, जिसमें लगभग 1 लाख क्विंटल से अधिक मूंग समर्थन मूल्य पर किसान बेचने को मजबूर हैं. जबकि वेयरहाउसों की क्षमता लगभग 40 से 50 क्विंटल तक बताई जा रही है. वहीं सरकार के पास मूंग को रखने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है, ऐसे में किसान क्या करें. वेयर हाउसों की क्षमता को देखते हुए स्लाट बुक भी नहीं हो रही. ऐसे में किसान परेशान हैं, क्योंकि उनकी स्लाट बुक नहीं हो रही हैं.

अभी किसानों के 75 प्रतिशत स्लाट बुक होना बाकी है. इसी को लेकर किसान यूनियन ने कलेक्टर का नाम तहसीलदार चंचल जैन को ज्ञापन सौंपा है.

इनका कहना है...

यहां पर वेयरहाउस खाली न होने के कारण यह स्थिति बनी हुई है. हालांकि हमने एक और आस्तिक वेयरहाउस को भी चालू करवा दिया है. प्रतिदिन 1500 क्विंटल से अधिक मूंग के स्लॉट बुक किए जाएंगे और खरीदी की जाएगी.

- चंचल जैन, तहसीलदार

मौत के बाद 5 वस्तुएं मनुष्य के साथ जाती हैं : शास्त्री

नवभारत न्यूज
बेगमगंज, 19 जुलाई. नगर के दीनदयाल कॉलोनी में एक दिवसीय शिवार्चन में कार्यक्रम में पं.कमलेश कृष्ण शास्त्री ने कहा कि मृत्यु के पश्चात मनुष्य के साथ मनुष्य की पाँच वस्तुएँ साथ जाती है.

कामना

यदि मृत्य के समय हमारे मन में किसी वस्तु विशेष के प्रति कोई आसक्ति शेष रह जाती है,कोई इक्षा अधूरी रह जाती है,कोई अपूर्ण कामना रह जाती है तो मरणोपरांत भी वही कामना उस जीवात्मा के साथ जाती है.

वासना

वासना कामना की ही साथी है. वासना का अर्थ केवल शारीरिक भोग से नहीं, अपितु इस संसार में भोगे हुए हर उस सुख से है, जो उस जीवात्मा को आनन्दित करता है. फिर वो घर हो ,पैसा हो ,गाड़ी हो, रुतबा हो,या शौर्य. मृत्यु के बाद भी ये अधूरी वासनाएं मनुष्य के साथ ही जाती हैं और मोक्ष प्राप्ति में बाधक होती है.

कर्म

मृत्यु के बाद हमारे द्वारा किये गए कर्म चाहे वो सुकर्म हो अथवा कुकर्म हमारे साथ ही जाता है. मरणोपरांत जीवात्मा अपने द्वारा कि ये गए कर्मो की पूँजी भी साथ ले जाता है. जिस के हिसाब किताब द्वारा उस जीवात्मा का यानी हमारा अगला जन्म निर्धारित किया जाता है.

कर्ज़

यदि मनुष्य ने आपने जीवन मे कभी भी किसी प्रकार का ऋण लिया हो तो उस ऋण को यथासम्भव उतार देना चाहिए ताकि मरणोपरांत इस लोक से उस ऋण को उस लोक में अपने साथ न ले जाना पड़े.

पुण्य

हमारे द्वारा किये गए दान-दक्षिणा व परमार्थ के कार्य ही हमारे पुण्यों की पूंजी होती है इसलिए हमें समय-समय पर अपने सामर्थ्य अनुसार दान-दक्षिणा एवं परमार्थ और परोपकार आवश्य ही करने चाहिए. इन्ही पांचों वस्तुओं से ही मनुष्य को इस मृत्युलोक को छोड़ कर परलोक जाने पर उस लोक अथवा अगले जन्म की प्रक्रिया का चयन किया जाता है.

काले हिरण का फरार शिकारी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज
रायसेन, 19 जुलाई. जिले के सिलवानी में काले हिरण के शिकार और घर के फ्रिज में रखे उसके मांस के मामले में फरार आरोपी अनुराज सिंह दांगी को मुखबिर की सूचना पर ग्राम सहजपुरी जिला सागर से पकड़ा और न्यायालय में पेश किया, जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया.

▶ आरोपी के घर में फ्रिज से जब्त किया था हिरण का मांस

मंडल सामान्य रायसेन की वन परिक्षेत्र सिलवानी पश्चिम में विगत 15 अप्रैल 2025 को संदिग्ध मांस की जब्ती और उसके बाद जबलपुर में सैंपल परीक्षण के बाद पकड़े गए मुख्य आरोपी फैजल खान को पहले ही जेल भेजने के बाद फरार आरोपी अनुराज सिंह दांगी को शनिवार को वन विभाग की टीम ने ग्राम सहजपुरी जिला सागर से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की. शिकारी की,गिरफ्तारी के दौरान उसके के घर से कीमती सागौन की लकड़ियां भी बरामद हुई. जिसे दक्षिण वन मंडल सागर ने भी जब्त कर मामला दर्ज किया. हम आपको बता दे कि काले हिरण के शिकार और मांस घर में पाए जाने के मामले में फैसल खान, मोहम्मद फैज,मोहम्मद साद, मोहम्मद नोमान मोहम्मद शाहिद को आरोपी बनाया गया था.

मुआर-प्रतापगढ़ मार्ग की पुलिया क्षतिग्रस्त

हमेशा बना रहता है हादसे का डर

नवभारत न्यूज
सिलवानी, 19 जुलाई. लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया. सड़कों पर कई गहरे और गड्ढे हो गए हैं. गड्ढों को देख कर यह समझ ही नहीं आता कि सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क. ग्रामीण सड़कों की पुल-पुलिया की दशा दयनीय हो गई है. यहां से सफर करना खतरों से खाली नहीं है.

जानकारी के अनुसार मुआर ग्राम से प्रतापगढ़ जाने वाली सड़क क्षतिग्रस्त होना बताया जा रहा है,

मुआर ग्राम के पास प्रतापगढ़ मार्ग पर स्थित पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई है. पुलिया क्षतिग्रसत होने से सड़क से लग कर एक बड़ा गड्ढा हो गया है, जो कि आवागमन में परेशानी का कारण बन रहा है. दिन रात के समय अनेकों दो पहिया सहित अनेकों भारी वाहन इस सड़क पर से निकलते हैं. इस क्षतिग्रस्त पुलिया से करीब 25 ग्रामों के रहवासी आवागमन करते है. यहां से अनेको स्कूली छात्र छात्राएं, मजदूर, ग्रामीण, कर्मचारी, किसान आदि आवागमन करते है. लेकिन पुलिया क्षतिग्रस्त होने व बड़ा गड्ढा बन जाने से हमेशा ही हादसा होने का अंदेशा बना रहता है. वाहन चालक की जरा सी चूक हादसे का कारण बन सकती है. ग्रामीण यशपाल रघुवंशी ने बताया कि पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई है. चूंकि सड़क ग्रामीण सड़क होने के कारण सकरी है. यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोडिंग वाहन, स्कूली विद्यार्थी, किसान मजदूरों आदि का आवागमन होता है. वर्तमान में खेतो में धान लगाए जाने का काम तेजी से चल रहा है. धान के गढ़ो में मिट्टी मचाने का कार्य ट्रैक्टरों से कराया जा रहा है. कई ट्रैक्टर मिट्टी मचाए जाने का कार्य कर रहे हैं. इसके अतिरिक्त धान का रोपा लगाए जाने के लिए बनाए गए गढ़ों में मशीनों से रोपा लगाने का कार्य चल रहा है. इसके अतिरिक्त मजदूरो के द्वारा भी रोपा लगाया जा रहा है.

कराई जाए मरम्मत

ग्रामीण मोहन सिंह, कमलेश ठाकुर, लाल सिंह, अजब दास आदि ने कहा कि प्रशासन को तत्काल ही क्षतिग्रस्त पुलिया की मरम्मत करानी चाहिए ताकि हादसों से बचा जा सके. ग्रामीणों का कहना है कि स्टेट हाईवे 44 सिलवानी उदयपुरा मार्ग पर भी सैकड़ों की संख्या में बड़े बड़े गड्ढे हो गए हैं. इन गड्ढों की भी मरम्मत कराई जाए.

निरीक्षण ▶ सरकारी और निजी स्कूलों का किया औचक निरीक्षण

एसडीएम ने बच्चों को पढ़ाया, प्रतिभा भी परखी

नवभारत न्यूज
बेगमगंज, 19 जुलाई. एसडीएम सौरभ मिश्रा ने शनिवार को शासकीय स्कूलों के साथ ही निजी स्कूलों का औचक निरीक्षण किया. सरकार की मंशानुसार अब सरकारी स्कूलों के साथ ही निजी स्कूलों के भी निरीक्षण किए जाएंगे कि वह विधिवत नियमों का पालन करते हुए वैध रूप से संचालित है या अवैध रूप से खोले गए हैं.

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने स्कूलों की व्यवस्था एवं कहीं -कहीं छात्रों की कम उपस्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए शिक्षकों को गांव में घर -घर सर्वे करके बच्चों के दाखिले किए जाने के निर्देश दिए. शासकीय प्राथमिक स्कूल रहटवास में शिक्षक उपस्थित थे, लेकिन छात्रों की संख्या कम दर्ज मिली तो उन्होंने घर -घर सर्वे करके छूटे गए बच्चों के नाम दर्जकर उन्हें स्कूल लाने और मेहनत से पढ़ाने के निर्देश दिए. साथ ही नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए छात्रों के आवेदन कराने के भी निर्देश दिए. वहीं गांव के आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया. ग्राम फतेहपुर में सभी छात्रों के फ्रंट लाइन में बैठाने की व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्राइमरी से ही बच्चों में फ्रंट लाइन में बैठने की आदत होगी और वे अग्रिम पंक्ति के प्रतियोगी होंगे. एसडीएम मिश्रा ने ग्राम उमरखोह हाई स्कूल में छात्रों को पढ़ाया ओर उनकी प्रतिभा को भी परखा. शिक्षकों को कई बिंदुओं पर निर्देश देकर पढ़ाई में और मेहनत करने को कहा. वहीं ग्राम बर्री कला में संचालित एक निजी स्कूल का भी निरीक्षण किया. एसडीएम मिश्रा ने मध्यान्ह भोजन की जांच के बाद विद्यार्थियों के साथ भोजन भी किया. एसडीएम का कहना है कि आगे भी स्कूलों के औचक निरीक्षण जारी रहेंगे. सरकार की मंशा है कि सभी शिक्षक बच्चों को ईमानदारी से अपनी ड्यूटी पूरे समय करके विद्यार्थियों को मेहनत से पढ़ाएं और उन्हें एक अच्छा प्रतियोगी बनाएं, ताकि वो आगे चलकर अपना लक्ष्य हासिल कर सकें.

25 स्कूलों में स्मार्ट क्लास, छात्रों के लिए केबिन भी

अब जिले के चिन्हित सरकारी स्कूलों में भी बड़े निजी स्कूलों की तर्ज पर स्मार्ट और हाइटैक क्लासरूम की शुरुआत हो रही है. छात्रों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से बेहतर और रोचक शिक्षा दी जाएगी. इसके लिए जिले के 25 सरकारी स्कूल सहित छात्रावास में इंटरेक्टिव पैनल लगाए गए हैं. योजना के तहत सीएम राइज सांदीपनि और पीएमश्री विद्यालय में स्क्रीन वाले इंटरेक्टिव पैनल लगाए गए हैं. जिसमें अधिकांश छात्र को डिजिटल तकनीक के सहारे विषयों की गहराई को समझने और सीखने में मदद मिलेगी. जानकारी के अनुसार जिले में 25 विद्यालयों में स्मार्ट तरीके से पढ़ाई की जा रही है. इसके लिए छात्रों को अलग-अलग केबिन बनाए गए हैं. जिले के सरकारी स्कूलों में 25 आईसीटी लैब को तैयार किया गया है. इन लैब में 10 कम्प्यूटर रखे गए हैं. इनके माध्यम से छात्रों को आधुनिक और तकनीक तरीके से स्मार्ट कक्षाएं लगाई जा रही है. छात्रों को स्मार्ट टीवी के माध्यम से भी शिक्षा दी जा रही है. सबसे अधिक पढ़ाई इंटरेक्टिव पैनल के माध्यम से कराई जा रही है.